जहिया से चली गइले,
छोड़ अयोध्या,
नगर भाईल सुनसान हो,
जा ऐ विधना ऐ का भई,
वन चले गएली सियाराम हो।।

वनवा में ऊ कैसे रहत होई है,
कुश के चटाईया पे सोवत होई है,
कैसे के सोवत होई है सीता महारानी,
सोच सोच बानी परेशान हो,
जा ऐ विधना ऐ का भई,
वन चले गएली सियाराम हो।।

माई के दुलार बिना कैसे ऊ रही है,
भैया भरत के ऊ कैसे समझाई हैं,
मडई में रहत होई है छोड़ के महालिया,
जिंदगी भइल वीरान हो,
जा ऐ विधना ऐ का भई,
वन चले गएली सियाराम हो।।

जहिया से चली गइले,
छोड़ अयोध्या,
नगर भाईल सुनसान हो,
जा ऐ विधना ऐ का भई,

वन चले गएली सियाराम हो।।

भजन प्रेषक बबलू साहू।
6261038468

Source: https://www.bharattemples.com/jahiya-se-chal-gaile-chhod-ke-ayodhya/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw